807

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

CVK-01

कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय
वैदिक कर्मकाण्ड में प्रमाणपत्र (सी0वी0के0–16/17)
सत्र 2021 (Winter)

समयः 2 घण्टा **पूर्णांकः 100**

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [2 x 26 = 52]

प्र0–1 सन्ध्या का महत्व प्रतिपादित करते हुए 'त्रिकाल सन्ध्या' का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

प्र0–2 योग किसे कहते हैं? विष्कुम्भादि योगों में उत्पन्न जातकों का शुभाशुभ फल लिखिए।

प्र0–3 पंचमहायज्ञ से क्या तात्पर्य है? विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्र0–4 वैदिक मन्त्रों द्वारा नवग्रहों का समन्त्र स्थापना विधान लिखिए।

प्र0–5 अधिदेवता, प्रत्यधिदेवता एवं पंचलोकपाल का पौराणिक मन्त्रों द्वारा आवाहन कैसे किया जाता है? लिखिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। $[4 \times 12 = 48]$

प्र0–1 वेदों का परिचय दीजिए।

प्र0–2 करण से आप क्या समझते हैं? इसके शुभाशुभ प्रभावों का वर्णन कीजिए।

प्र0–3 कलश पूजन विधान का उल्लेख कीजिए।

प्र0–4 क्षेत्रपाल एवं दशदिक्पाल पर टिप्पणी लिखिए।

प्र0–5 कर्मकाण्ड का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

प्र0–6 पुण्याहवाचन क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्र0–7 षोडशमातृका पूजन की विधि लिखिए।

प्र0–8 दैनन्दिन कर्म की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

———————————